



प्रेस विज्ञप्ति

10 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों को समाज कल्याण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने के लिए तिरंगा बैज अवार्ड प्रदान किया गया

- फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने समाज की सेवा में कार्यरत विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए सर्वप्रथम अवार्ड्स का आयोजन किया

नई दिल्ली, 07 मई, 2014: आज फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने जनता और समाज की सेवा के क्षेत्र में विद्यार्थियों/विद्यार्थी समूहों/स्कूलों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए सर्वप्रथम तिरंगा बैज अवार्ड के साथ राष्ट्रीय बालभवन में उन्हें 30 से अधिक अवार्ड प्रदान किए।

ये अवार्ड 12-20 वर्ष के आयु वर्ग में उन विद्यार्थियों को प्रदान किए गए हैं जिन्होंने अपने स्कूल/कालेज, समाज, शहर या देश के कल्याण में अंशदान किया है।

पूरे शहर के स्कूलों से 40 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। जजों के पैनल में सुश्री शालू जिंदल, प्रतिष्ठित कुचिपुडी नृत्यांगना और राष्ट्रीय बालभवन की अध्यक्ष शामिल थीं।

आज यहां आयोजित एक शानदार समारोह में सुश्री शालू जिंदल द्वारा यह अवार्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर चर्चा करते हुए, उनका कहना था, "हमें समाज कल्याण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाले युवाओं को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। तिरंगा बैज अवार्ड शैक्षिक संस्थानों को इस क्षेत्र में कार्यरत विद्यार्थियों का नामांकन करने और उनके द्वारा किए गए कार्य को सम्मानित करने का अवसर उपलब्ध कराएगा।"

अवार्ड समारोह की शुरुआत सुश्री शालू जिंदल द्वारा एक संक्षिप्त परिचय के साथ हुई जिसके बाद विद्यार्थियों को अवार्ड बांटे गए और तिरंगा बैज अवार्ड्स की संयोजक मालविका हलवासिया द्वारा आभार अभिव्यक्ति के साथ समारोह का समापन हुआ।

2014 के लिए, इस वर्ग इन स्कूलों के विद्यार्थियों को अवार्ड प्रदान किए गए – संस्कृति स्कूल, मॉडर्न स्कूल, बाराखंबा रोड, जीडी गोयनका वर्ल्ड स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल मथुरा रोड, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल पुष्प विहार, गुरुकुल – द स्कूल, लान्सर कॉन्वेंट स्कूल, एवरग्रीन पब्लिक स्कूल, मयूर विहार स्कूल, सेंट मार्क्स सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, ज्ञानमंदिर और कुलाछी हंसराज मॉडल स्कूल।

इन अवार्ड्स का लक्ष्य सेवा एवं बलिदान की महत्ता का आभास करने एवं जानने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना, विद्यार्थियों को बड़ा सोचना और बदले में किसी चीज की आशा किए बिना दूसरों की मदद करना सिखाना; उन्हें समाज और हमारे देश की सेवा करने की सार्थकता का आभास करवाना, और लक्ष्य तय करने एवं उनको हासिल करने की दिशा में कार्य करने के लिए उनकी मदद करना है।

अवार्ड में फ्लैग फाउंडेशन इंडिया की ओर से एक प्रमाणपत्र, एक तिरंगा बैज, तिरंगे पर एक किताब और राष्ट्रीय ध्वज के रंग धारण करने वाले एक कलाईबंद शामिल था।

ये अवार्ड तीन वर्गों में प्रदान किए गए हैं, अर्थात:

1. एकल वर्ग – एक विद्यार्थी आवेदन करता है क्योंकि उसने अकेले कुछ कार्य किया है।
2. समूह वर्ग – जहां एक विद्यार्थी समूह (एक ही या अलग-अलग स्कूलों/कालेजों से) ने एक टीम के रूप में साथ मिलकर कार्य किया है।
3. सांस्थानिक वर्ग – जहां एक स्कूल/कालेज उसके द्वारा शुरू किए गए किसी कार्यकलाप/कार्य, जिसका नेतृत्व एवं समर्थन स्कूल/कालेज के संकाय-वर्ग ने किया हो, के लिए 'जिम्मेदार स्कूल' बैज जीतता है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया का संक्षिप्त परिचय

माननीय संसद सदस्य श्री नवीन जिंदल द्वारा एक दशक लंबी कानूनी लड़ाई जीतने के बाद, जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपना ऐतिहासिक फैसला दिया जिसने सभी भारतीयों को सम्मान, मर्यादा और आदर के साथ हमारे राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन करने में समर्थ बनाया, इस प्रकार इसे प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार बनाया, जनवरी 2002 में एक लाभ-निरपेक्ष संस्था के रूप में 1980 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्थापना की गई थी।

श्री नवीन जिंदल ने इस फैसले से प्रेरित होकर 'फ्लैग फाउंडेशन इंडिया' की स्थापना की, जिसका मकसद ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अत्यंत गर्व के साथ तिरंगे के प्रदर्शन को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रेरित करना था। हमारा तिरंगा हमारी 'विविधता में एकता' का महान प्रतीक है। यह एक दशक से अधिक समय से काम कर रहा है और इसका उद्देश्य झंडे के आजादी से प्रयोग और प्रदर्शन के जरिये राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रवाद, देशभक्ति और प्रेम की भावना को बल प्रदान करना है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया नागरिकों में राष्ट्रवाद की भावना को पुनः जागृत करने का एक ईमानदार प्रयास है। यह युवाओं का तिरंगे के साथ एक खास रिश्ता जोड़ने की दिशा में एक प्रयासभर है ताकि यह आजादी के लिए हमारे संघर्ष का शक्तिशाली प्रतीक बन सकें और दुनियाभर में फैले असंख्य भारतीयों के बीच प्रेरणा के महान स्रोत की भूमिका अदा कर सकें और प्रत्येक भारतीय, चाहे जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, वे उसमें देश के लिए गौरव हासिल करें।

आम जनता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के अपने प्रयास के क्रम में फाउंडेशन ने इस विषय पर चर्चाएं आयोजित की हैं और इसने झंडे से जुड़ी जानकारी देने के लिए पुस्तकें जारी की हैं तथा भारत के प्रख्यात गायकों द्वारा गाए देशभक्ति गीतों के ऑडियो कैसेट निकाले हैं। फ्लैग फाउंडेशन ने दिल्ली और हरियाणा में कई तिरंगा दौड़ का भी आयोजन किया है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें: - <http://www.flagfoundationofindia.in/>